(ग) क्या सरकार को विदित है कि खुले डिब्बों में खाद्यान्न के बातायात के फलस्वरूप प्रति वर्ष खाद्यान्न की काफी मात्रा खराब हो जाती है और व्यापारियों को खाद्यान्न के संरक्षण और उसे तेजी से आगे ले जाने पर अधिक व्यय करना पड़ता है; और

(घ) यदि हां, तो खाद्यान्न के बातायात के लिये खुले माल डिब्बे देने के क्या कारण हैं ?

रेलवे उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क) बहराइच जिले के स्टेशनों से अनाज के जितने डिब्बों का लदान किया गया और उन में जितना माल भेजा गया उन का ब्यौरा इस प्रकार है :—

साल	बन्द माल-डिब्बे		खुले माल-डिब्बे		जोड़
	तादाद	मन	तादाद	मन	
१९५७	४२४०	१५३२८५५	६१७	१९९२५१	
१९५८ (२५-११-५८ तक)	३९१५	११६४५६९	८८१	२६००३३	
जोड़ : १-१-५७ से २५-११-५८ तक	८१५५	२६९७४२४	१४९८	४५९२८४	

(ख)—

साल	बन्द माल डिब्बों की तादाद	खुले माल डिब्बों की तादाद
१९५७	३८९	७०५
१९५८ (२५-११-५८ तक)	४८९	७८३
जोड़ : १-१-५७ से २५-११-५८ तक	८७८	१४८८

(ग) जी नहीं । यदि माल लादते समय धूप और बारिश से बचने के लिये उसे अच्छे तिरपाल से ढक कर पूरी सावधानी बरती जाय, तो खुले माल-डिब्बों में भेजा गया अनाज खराब नहीं होगा । वास्तव में व्यापारी लोग कभी कभी स्वयं खुले माल-डिब्बों में माल भेजना पसन्द करते हैं, क्योंकि बन्द माल डिब्बों के बजाय खुले माल-डिब्बे प्रायः पहले और आसानी से मिल जाते हैं । यह सच है कि खुले माल-डिब्बों में माल भेजने पर माल भेजने वालों को डिब्बों को ढकने और उन की निगरानी रखने के लिये कुछ ज्यादा खर्च करना पड़ता है, लेकिन उन का माल जल्द भेज दिया जाता है जिस की वजह से यह ज्यादा खर्च प्रायः सन्तुलित हो जाता है ।

(घ) खुले माल-डिब्बों में अनाज लादने के लिये रेलवे माल भेजने वालों पर कोई दबाव नहीं डालती । अनाज लादने के लिये ऐसे डिब्बे केवल उन्हीं को दिये जाते हैं जो अपनी मर्जी से इन में माल भेजना पसन्द करते हैं । इस के अलावा जलाऊ लकड़ी के लिये जिस तरह के भी बन्द डिब्बे दिये जाते हैं, वे प्रायः अनाज भेजने के लिये उपयुक्त नहीं होते ।

National Highways*

1191. **Shri B. C. Prodhan:** Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) the total mileage of National Highways constructed so far in Orissa State; and

*Note: Total mileage to National Highways in Orissa is 851 miles.

(b) the total mileage to be constructed during the remaining period of the Second Five Year Plan?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) 113 miles.

(b) 49 miles.

Post and Telegraph Offices

1192. Shri B. C. Prodhan: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) the total number of Post and Telegraph offices opened in Phulbani and Kalahandi districts of Orissa State during the year 1957-58 and 1958-59 so far;

(b) the number of such offices proposed to be opened during the Second Five Year Plan period; and

(c) the names of the proposed places

The Minister of Transport and Communications (Shri S. K. Patil):

(a)

Name of Distt.	No. of post offices opened during		No. of Telegraph offices during	
	1957-58	1958-59 upto 31-10-58	1957-58	1958-59 upto 31-10-58
Phulbani .	16	6	..	..
Kalahandi .	8	2	..	..

(b) Proposed to be opened during the remaining period of the Second Plan.

Name of Distt.	No. of post offices	No. of Telegraph offices (including combined P & T Offices)
Phulbani .	50	6
Kalahandi .	32	4

(c)

Name of Distt.	Names of places where Post offices are proposed to be opened	Names of places where Telegraph offices (including) combined P & T Offices are proposed to be opened
Phulbani	1. Telibandh	1. Ghantapara
	2. Badabandh	2. Harbhanga
	3. to 50 Location not yet finalised	3. Kajuripada
		4. Phiringia
		5. Purana Katak
		6. Manmunda
Kalahandi	1. Khaira	1. Kashipur
	2. to 32 Location not yet finalised	2. Lanjigarh
		3. Legan
		4. Sinapalli.

Export of Wheat from Punjab

1193. Sardar Iqbal Singh: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the total quantity of wheat exported from the Punjab during the months of August, September and October, 1958; and

(b) the names of the States and total quantity exported to each State?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) and (b). The following quantities of wheat were despatched to other States (for seed purposes) from Punjab on Government account during the months of August, September and October, 1958:

(Figures in maunds)

Rajasthan	1,50,000
Madhya Pradesh	1,00,000
Uttar Pradesh	2,75,000
Bihar	25,000
TOTAL	5,50,000

There is free movement of wheat from Punjab to Delhi, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir. The details of movement by trade to these areas are not available.